आईआईएम रांची सीएफए से जुड़ने वाला 9वां संस्थान बना

रांची, वरीय संवाददाता। आईआईएम रांची सीएफए (चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट) का हिस्सा बन गया है। इसके साथ ही आईआईएम रांची भारत में स्थापित होने वाला नौवां ऐसा संस्थान है जो कि सीएफए की संबद्धता कार्यक्रम (यूएपी) का हिस्सा बन गया है। किसी भी विश्वविद्यालय को इस सबंद्धता के लिए अपने दो साल के एमबीए पाठ्यक्रम में सीएफए प्रोग्राम (कैंडिडेट बॉडी ऑफ नॉलेज) का कम से कम 70% एम्बेड करने की आवश्यकता होती है।

सबंद्धता प्राप्त होने से संस्थान को कक्षाओं में व्यावहारिक ज्ञान लाने के लिए सीएफए संस्थान के साथ काम करने का अवसर प्रदान किया जाता है। इससे विद्यार्थी वैश्विक उद्योग के विशेषज्ञों से उद्योग के बारे में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करेंगे। छात्रों को सीएफए परीक्षा के लिए छात्रवृत्ति और शुल्क में छूट भी प्राप्त होगी।

क्या है सीएफए संस्थान

सीएफए संस्थान निवेश उद्यमियों का एक वैश्विक संघ है जो पेशेवर उत्कृष्टता और साख के लिए मानक तय करता है। संगठन निवेश बाजारों में नैतिक व्यवहार का चैंपियन और वैश्विक वित्तीय समुदाय में ज्ञान का एक सम्मानित स्रोत है। पूरी दुनिया में 160 से अधिक बाजारों में 1,80,000 से अधिक सीएफए चार्टर धारक हैं।

आईआईएम रांची के निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि यह साझेदारी संस्थान के एमबीए छात्रों को विविध और व्यापक सीखने के अनुभव को विस्तारित करने, उनके करियर में वित्तीय कौशल को गहरा करने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है। सीएफए की प्रमुख आरती पोरवाल ने इस साझेदारी को बेहतर कदम बताया।

Hindustan, 03.03.2023, Pg.6